सरकार का विचार है कि दूध देने वाले पशुओं और उनके बच्चों की बूचड़खाने में मारने से बन्द करने की योजना बनाई जाय ?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, जहां तक मुझे मालूम है दूध देने वाले जानवरों को मारा नहीं जाता । अधिक विवरण अगर माननीय सदस्य चाहते हैं तो कृषि मंत्री महोदय से पूछने से वे उन्हें बता देंगे ।

श्री देवकीनंदन नारायण : क्या माननीय मंत्री महोदया यह बताने की कृपा करेंगी कि दिल्ली में ये जो छः स्लाटर हाउसेज हैं, इन में से किस स्लाटर हाउस में इलेक्ट्रिक पावर के ज़रिये जानवर मारे जाते हैं या नये ढंग से जानवर मारे जाते हैं ?

डा० सुशीला नायर : जी, ये छः के छः स्लाटर हाउसेज पुराने ढंग के हैं । कोई माडर्न स्लाटर हाउस दिल्ली में मौजूद नहीं है ।

श्री नवाबसिंह चौहान : माननीय मंत्री जी ने बताया कि दूध देने वाले पशु नहीं मारे जाते हैं । तो दूध न देने वाले पशु, जो बुड्ढे हो जाते हैं वे क्यों मारे जाते हैं ? क्या हम यह समझ लें कि जो आदमी बुड्ढा हो जाय वह बेकार हो जाता है ? जब आदमी बेकार नहीं होता है तो पशु को क्यों बेकार समझा जाता है ?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, जब देश में गोश्त खाने वाले लोग मौजूद हैं और वे गोश्त खाते हैं तो पशु मारे ही जायेंगे ।

SHRI JAI NARAIN VYAS: Is any quantity of meat of the slaughtered cows despatched outside India?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है । जहां तक मुझे मालूम है, गाय का भी आम तौर पर इस देश में स्लाटर नहीं हो रहा है । लेकिन जैसा कि मैंने कहा, यदि माननीय सदस्य इस सवाल में ज्यादा गहराई से जाना चाहते हैं तो अगर वे कृषि मंत्री जी से पूछेंगे तो वे शायद बता सकेंगे ।

कुष्ठ रोग की संस्थाओं को अनुदान

*७२६. **श्री भगवत नारायण भार्गव** : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि वर्तमान वर्ष में कुष्ठ रोग की किन-किन संस्थाओं को कितना-कितना अनुदान दिया जायेगा ?

†[GRANTS TO LEPROSY INSTITUTIONS

*726. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of HEALTH be pleased to state the names of the Leprosy Institutions which will be given grants during the current year and the amount that will be given to each of them?]

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिन-जिन स्वयं सेवी संस्थाओं को अनुदान दिया जायेगा उनके नामों का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता क्योंकि यह आवेदनों की संख्या और प्रत्येक अलग-अलग मामले की योग्यता पर निर्भर करता है । वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिन-जिन संस्थाओं को अब तक सहाय्यानुदान दिया जा चुका है उनके नामों का एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

संस्था का नाम	स्वीकृत सहाय्यानुदान की राशि
	रु०
१. केन्द्रीय कुष्ठ अध्यापन एवं अनुसंधान संस्था, तिरूमणि, चिंगलपेट, मद्रास	५,५०,०००
२. मिकिर हिल्स सेवा केन्द्र सरिहाजा, असम	६,४००

†[ ] English translation.

संस्था का नाम	स्वीकृत सहाय्यानुदान की राशि
३. श्रीमन्त शन्कर मिशन, नौगौंग, असम .	२४,४००
४. शान्तिपारा कुष्ठ कालोनी गोलपारा, असम .	६,७५०
५. असम सेवा समिति, गोहाटी . .	३०,८००
६. शिवनन्दा पुनर्वास गृह फार डेस्टीट्यूट लेपरोसी पेशेण्ट्स, कुकटपल्ली, आन्ध्र प्रदेश .	१५,०००
७. लेपरोसी इन्वेस्टीगेशन एंड ट्रीटमेंट सेंटर, जहीराबाद, आन्ध्र प्रदेश .	६,४००
८. हाथीवाडी लेपरोसी कालोनी, सम्बलपुर, उड़ीसा	२४,४००
९. होलीक्रास कोनवेन्ट कोट्टियम, क्विलान .	२४,४००
१०. पुअर लेपरोसी हास्पिटल, ग्रीन गार्डन शेरतालै, केरल . .	२४,४००
११. दमीन लेपरोसी इन्स्टीट्यूट, त्रिचूर, केरल .	२४,४००
१२. कुष्ठ रोगी सेवा समिति, मालेगांव, महाराष्ट्र .	२४,४००
१३. कुष्ठ केन्द्र अम्बेबाड़ी, जि० सान्गली, महाराष्ट्र	३०,८००

†[THE MINISTER OF HEALTH (DR. SUSHILA NAYAR): The names of the Voluntary Institutions which will be given grants during the current financial year cannot be anticipated as it depends on the number of requests and the merits of each individual case. A statement indicating the names of the Institutions which have been given grants in aid so far during the current financial year is placed on the table of the Sabha.

STATEMENT

Name of the Institution	Amount of grant-in-aid sanctioned
	Rs.
1. The Central Leprosy Teaching and Research Institute, Tirumani, Chingleput District, Madras . . .	5,50,000
2. Mikir Hills Seva Kendra, Sarihajan, Assam . .	6,400
3. Sreemanta Shankar Mission, Nowgong, Assam . .	24,400
4. Santipara Leprosy Colony, Goalpara, Assam . .	6,750
5. Assam Seva Samity, Gauhati	30,800
6. Sivananda Rehabilitation Home for destitute leprosy patiens, Kukutapally, Andhra Pradesh	15,000
7. Leprosy Investigation and Treatment Centre, Zaheerabad, Andhra Pradesh . .	6,400
8. Hatibadi Leprosy Colony, Sambalpur, Orissa . .	24,400
9. Holy Cross Convent, Kottiyam, Quilon . . .	24,400
10. Poor Leprosy Hospital, Green Gardens, Shertallay, Kerala	24,400
11. Damien Leprosy Institute, Trichur, Kerala . . .	24,400
12. Kushta Rogi Seva Samiti, Malegaon, Maharashtra .	24,400
13. The Leprosy Centre at Ambewadi, District Sangli, Maharashtra . . .	30,800]

†[ ] English translation.

श्री भागवत नारायण भार्गव : इस समय इन कुष्ठ संस्थाओं में कुष्ठ रोगियों की कितनी संख्या है और जो कुष्ठ रोगी इन संस्थाओं के बाहर हैं उनकी चिकित्सा की क्या व्यवस्था की जा रही है ?

डा० सुशीला नायर . श्रीमन्, कुष्ठ संस्थाओं में कितने रोगी हैं इसके ठीक-ठीक आकडे तो मेरे पास इस वक्त मौजूद नही हैं। बहुत सी संस्थायें सरकारी हैं, गैर-सरकारी हैं, मिशनरी हैं, इत्यादि, इत्यादि। लेकिन मैं इतना कह सकती हू कि जितनी सख्या इन इस्टिट्युशस के अन्दर है उससे बहुत ज्यादा सख्या इस्टिट्युशस के बाहर है और उनके इलाज के लिये सरकार ने एक विशेष योजना बनाई है जिसमें उनके घरों में अथवा क्लिनिक्स के द्वारा उनको दवा दी जाती है।

SHRI H V. TRIPATHI In view of the fact that the victims of this disease are usually not easily acceptable to the society even when cured is the Government taking any steps to get them rehabilitated by opening some institutions or some such homes?

DR SUSHILA NAYAR. Sir, it is the difficulty of rehabilitation of the discharged patients from the institutions which has led the Government to this innovation that we should treat them, as far as possible, in their own environments so that they are not dislocated in the first place and the problem of rehabilitation also is not there Some efforts for the rehabilitation of those who are already in the institutions are being made.

شری اے - یم - طارق : چونکہ یہ مرض ایسا ہے جس کو دیکھکر انسان کو نفرت بھی ہوتی ہے اور ساتھہ ہی رحم بھی آتا ہے ، اسلئے اس کا فائدہ اٹھانے کے لئے بہت سے بھکاری اردو بازار جامع مسجد کے قریب اور برلا مندر کے قریب پائے جاتے ہیں - اس کے علاوہ جو دلی اور دلی کے قریب چھوٹے بڑے عرس ہوتے ہیں وہاں بھی یہ لوگ کافی تعداد میں جاتے ہیں اور لوگوں کے ساتھہ گھل مل جاتے ہیں - تو میں یہ جاننا چاہوں گا کہ اس کو روکنے کے لئے گورنمنٹ کیا قدم اٹھا رہی ہے ؟

†[**श्री ए० एम० तारिक** : चूंकि यह मर्ज ऐसा है जिसको देख कर इन्सान को नफरत भी होता है और साथ ही रहम भी आता है, इसलिये इसका फायदा उठाने के लिये बहुत से भिखारी उर्दू बाजार, जामा मस्जिद के करीब और बिडला मन्दिर के करीब पाये जाते हैं। इसके अलावा जो दिल्ली और दिल्ली के करीब छोटे बडे उर्स होते हैं वहा भी ये लोग काफी तादाद में जाते हैं और लोगों के साथ घुलमिल जाते हैं। तो मैं यह जानना चाहूगा कि इसको रोकने के लिये गवर्नमेंट क्या कदम उठा रही है ?]

डा० सुशीला नायर श्रीमन्, लेपर ऐक्ट अलग-अलग स्टेट्स में लागू किया गया है जिसके अनुसार स्टेट गवर्नमेंट्स इन लोगो को भीख मागने से रोकती है और जहा वे इकट्ठे होते हैं वहा से उनको हटा कर के किसी इस्टिट्युशन में या दूरदराज जगह में ले जाया जाता है।

श्री जयनारायण व्यास : बहुत से कोढ़ी मकानो में नही रहते हैं बल्कि घूमते रहते हैं। ऐसे कोढियो के इलाज के लिये क्या व्यवस्था हो सकती है ?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, पहले तो शब्द कोढी आजकल बहुत मुनासिब नही समझा जाता। कुष्ठ रोगी ज्यादा मनासिब नाम है। दूसरे ये जो घूमते रहते है, उनमें बहुत से लोग ऐसे होते हैं जिनको बर्स्ट आउट केसेज कहते हैं। देखने में तो उनमें बड़ी डिफार्मिटी होती है, लेकिन वे इन्फेक्शस स्टेट में नही होते हैं। इसके अलावा उनके ट्रीटमेंट का इन्तजाम क्लानिक्स की मार्फत किया जा सकता है और दूसरा कोई उपाय नही है।

†[ ] Hindi transliteration.